RJ-05

December - Examination 2015

B.A. III-Year Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य काव्य तथा गद्य

Paper - RJ-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्योड़ो है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल है। खंड 'ब' में छोटा सवाल है। अर खंड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियोड़ा है।

(खण्ड – अ) 10 x 2 = 20

नोट : सगळां सवालां रौ पड़ूत्तर देणौ है। सबद सीमा 30 सबद है।

1) (i) आदिकाल रै 'रास' काव्य परम्परा री पैली पोथी कुणसी मानीजै है ?

(ii) 'ढोला मारू रा दूहा' रचना किण काव्य सैली री रचना मानीजै।

(iii) 'रघुनाथ रूपक' रचना रै रचनाकार रौ नाम बतावो।

(iv) मध्यकालीन जैन सैली री कोई दोय विसेसतावां बतावो।

(v) राजस्थानी रै प्राचीन गद्य साहित्य की रचानावां रा नाम दरसावो।

(vi) दुरसा आढ़ा री कोई दोय रचनावां रौ नाम लिखो।

(vii) 'रूक्मणी हरण' रचना रै रचनाकार रौ नाम बतावो।

(viii) राजस्थानी में पैली रामायण कुण लिखी ही।

(ix) राव मल्लीनाथ किण छैतर रा लोकदेवता हा।

(x) राजस्थानी गद्य री पैली बालावबोध रचना कुणसी ही।

(खण्ड – ब) 4 x 10 = 40

नोट : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई च्यार सवाल करणा है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) राजस्थानी साहित्य रै कालगत विभाजन री विगत मांडो।

3) अचळदास खीची री वचनिका माथै टिप्पणी लिखो।

4) संत सैली री विसेसतावां दरसावो।

5) डिंगल साहित्य में चरित्र नायकां रै आधार माथै काव्य–ग्रन्थां री विगत मांडो।

6) ईसरदास बारहठ रौ जीवण परिचै दरसावो।

7) मीरांबाई री भगती साधना नै स्पष्ट करो।

8) राजस्थानी साहित्य मांय रामकथा परम्परा पर टिप्पणी लिखो।

9) राजस्थानी दवावैत साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

(खण्ड – स) 2 x 20 = 40

नोट : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई दोय सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य रचनावां री विरोळ आपरै सबदां में करो।

11) मध्यकालीन वैष्णवी भगती परम्परा में मीरांबाई रौ स्थान थरपित करो।

12) मेहाजी कृत 'मेहा रामायण' रौ भघव अर कला पख उजागर करावो।

13) राजस्थानी रै प्राचीन गद्य साहित्य माथै लेख लिखो।